भूजल में नाइट्रेट और फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा

दैनिक जागरण, नई दिल्ली, दिनांक 04.11.2020

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी ने दिल्ली के भूजल स्तर का अध्ययन किया जिसमें पता चला है कि दिल्ली में भूजल में नाइट्रेट और फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है। फ्लोराइड उत्तर पश्चिमी दिल्ली के भूजल में अधिक पाया गया। जहां ईट भट्टों की संख्या अधिक है। यह शोध केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा दिल्ली के 258 केंद्रों के साल 1996 से 2018 के बीच की रिपोर्टो की मदद से किया गया।

70 फीसद तेजी से दोहन

अध्ययन में में राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान की एक रिपोर्ट का के हवाले से बताया गया है कि दुनिया में तेजी से गिरते भूजल स्तर वाले इलाकों में उत्तर भारत शामिल है। इसमें दिल्ली की स्थिति चिंताजनक है। यहां औसत अनुमान से 70 फीसद अधिक तेजी से भूजल का दोहन हो रहा है।

मानसून से पहले स्थिति खराब

अध्ययन के मुताबिक उत्तरी-दक्षिणी दिल्ली में भूजल स्तर 0.5 से 1 मीटर प्रतिवर्ष की दर से गिरा। खासकर मानसून से पहले जनवरी, मई महीने में यह ज्यादा तेजी से गिरा। हालांकि, यमुना एवं नजफगढ़ झील के आसपास के इलाकों में भूजल स्थिर रहा। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में भूजल स्तर में बढ़ोतरी दिखी।

द. दिल्ली में बोरवेल समस्या

दक्षिणी दिल्ली कई जगहों पर अवैध तरीके से बोरवेल भी प्रयोग में लाए जाते हैं। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में भूजल के स्तर में गिरावट का यह सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा यहां लगातार गहराई से भूजल का दोहन जारी है।

नाइट्रेट-फ्लोराइड की मात्रा

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के भूजल में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ज्यादा है। इसका मुख्य कारण ईट-भट्टों की उपस्थिति बताई गई। अध्ययन में नाइट्रेट की मात्रा 251 केंद्रों पर बहुत अधिक मिली। उत्तरी दिल्ली, नई दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली में बीते सात-आठ वर्षो में नाइट्रेट की मात्रा औसत 50 एमजी प्रति लीटर से अधिक पाई गई है।